Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

हिन्दी दैनिक

# मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 153
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-गुरूवार,02 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 देशवासियों को दशहरा की हार्दिक शुभकामनाये
4 जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ
5 मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा ने नाश्ते में खाया 'थेपला'

# महिलाओं के प्रति अपराध में न्यूनतम, सजा दिलाने में नम्बर वन है यूपी : मुख्यमंत्री

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नम्बर वन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा और उल्लास से जुड़ते हैं। सनातन परंपरा में मातृ शक्ति व नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व नई प्रेरणा प्रदान करता है। नवरात्र का यह पर्व अवगत कराता है कि चराचर जगत की आदि शक्ति, नारी शक्ति का ही रूप हैं। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित है सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा सनातन आस्था में नारी शक्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सनातन आस्था की नैतिक जिम्मेदारी के भाव से सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शारदीय नवरात्र की पहली तिथि, 22 सितंबर से मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ किया गया है। इसमें महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही उनके स्वावलंबन जागरूकता के लिए पंचायत स्तर तक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में सराहनीय कार्य हो रहे हैं। मिशन शक्ति सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने सदैव नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखा है। हरेक कालखंड में इसके दर्शन होते हैं। आज भी प्रत्येक क्षेत्र में भारत की नारी शक्ति ने अपनी ताकत और सामर्थ्य का एहसास कराकर दुनिया को अचंभित किया है। बेटी सुरक्षित तो समाज सुरक्षित मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां बेटी सुरक्षित और सम्मानित है तो वहां का समाज भी सुरक्षित और सम्मानित माना जाता है। उत्तर प्रदेश में ऐसा ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, कन्या सुमंगला और सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए हैं। इसी क्रम में देश की सर्वोच्च पंचायतों में नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी लाया गया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ महिलाओं को किसी न किसी रूप में 12000 रुपये सालाना पेंशन दिया जा रहा है। 26 लाख बेटियों को जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 25000 रुपये के पैकेज वाले कन्या सुमंगला योजना से जोड़ा गया है। सामूहिक विवाह योजना में धनराशि बढ़ाकर प्रति जोड़ा एक लाख रुपये करके गरीब परिवारों को बेटियों के विवाह में धन की चिंता से मुक्त कर दिया गया है। विजयदशमी, सनातन विजय का प्रतीक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजयदशमी, भारत के सनातन विजय का प्रतीक है। यह अधर्म, अन्याय और अत्याचार पर धर्म, न्याय और सदाचार के विजय का पर्व है। विजयदशमी पर अत्याचार, अधर्म और अन्याय के प्रतीक रावण के पुतले जलाए जाएंगे और भगवान श्रीराम के राजतिलक के कार्यक्रम आयोजित होंगे

## प्रधानमंत्री ने की सीआर पार्क के दुर्गा पूजा पंडाल में देवी की अराधना

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महा अष्टमी के अवसर पर दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क में दुर्गा पूजा पंडाल का दौरा किया और मंत्रोच्चार के बीच देवी की अराधना की। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित काली बाड़ी में आरती भी की और पारंपरिक बंगाली संस्कृति के अनुसार आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने बाद में सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ण पर एक पोस्ट में कहा कि दुर्गा पूजा समारोह समाज में एकता और सांस्कृतिक जीवंतता की भावना को दशार्ता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यआज महाअष्टमी के पावन अवसर पर, मैं दुर्गा पूजा समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली के चित्तरंजन पार्क गया। चित्तरंजन पार्क बंगाली संस्कृति से अपने

गहरे जुड़ाव के लिए जाना जाता है। यह समारोह वास्तव में हमारे समाज में एकता और सांस्कृतिक जीवंतता की भावना को दशार्ता है। मैंने सभी की खुशी और कल्याण के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के मद्देनजर दक्षिण दिल्ली के इलाकों में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और कई मार्गों को लेकर यातायात परामर्श जारी किये गए थे।

## सूचना परिसर में हवन, कन्या पूजन

**लखनऊ।** सूचना निदेशालय में नवरात्रि में महानवमी के अवसर पर बुधवार को हवन पूजन के साथ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन भी कराया गया। गरुवार को यहां पर स्थापित मूर्तियों का विसर्जन किया गया जायेगा। सूचना निदेशालय में इस बार शारदीय नवरात्रि पर मां दुर्गा की आराधना की गयी। साथ ही परिसर में 22 सितम्बर को पहले नवरात्रि पर मां दुर्गा की मूर्तियों को स्थापित किया गया। इसकी रोज सुबह शाम पूजना अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाता था। इसी कड़ी में महानवमी पर बुधवार को परिसर में विधि विधान से हवन पूजन किया गया। साथ ही कन्याओं के पांव पखार कर उनका पूजन एवं उन्हें भोजन कराने के उपरांत उपहार देकर विदा किया गया। विजय दशमी के दिन गुरवार को इन मूर्तियों का विसर्जन किया जायेगा। इस अवसर पर सूचना वं जनसंपर्क विभाग के निदेशक विशाल सिंह, अपर निदेशक अरविंद मिश्रा, सहायक निदेशक अत्रेय मिश्रा, जितेन्द्र सिंह, संदीप ओझा, प्रमोद कुमार, परशुाम मौर्य, सूचना अधिकारी धर्मवीर भारती, प्रदीप कुमार सिंह सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गोरक्षपीठाधीश्वर ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे

## आरएसएस ने एक भी काम ऐसा नहीं किया जिससे देश को नुकसान छोड़ कोई फायदा पहुंचा होः कांग्रेस

**नयी दिल्ली :** कांग्रेस ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) 100 साल का हो चुका है लेकिन अपनी स्थापना से अब तक उसने कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे देश को फायदा हुआ है। कांग्रेस ने बुधवार को यहां सोशल मीडिया पर एक बयान में संघ पर अंग्रेजों का मुखबिर होने का आरोप लगाया और कहा कि इस संगठन ने हिंदुओं और मुस्लिमों का सांप्रदायिक विभाजन कर, देश को दो टुकड़ों में बांटकर खोखला कर दिया है। पार्टी ने कहा कि संघ का आज शताब्दी वर्ष है लेकिन इन सौ वर्षों में इस संगठन ने एक भी काम ऐसा नहीं किया जिससे देश को नुकसान छोड़ कोई फायदा पहुंचाया हो। पार्टी ने संघ को देश को बांटने वाला संगठन बताया और कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान उसके नेता न जेल गए और न ही अंग्रेजों ने उस पर कभी प्रतिबंध लगाया था। कांग्रेस ने तीखा हमला करते हुए कहा कि 1942 में अंग्रेजों के खिलाफ शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन में जब पूरा देश जेल जा रहा था, तब संघ इस आंदोलन को दबाने में अंग्रेजों की मदद कर रहा था। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस संगठन का एक भी नेता आजादी की लड़ाई में जेल नहीं गया और महात्मा गांधी, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे देशभक्तों और क्रांतिकारियों को अराजक कहकर ब्रिटिश शासन के पक्ष में काम करता रहा। पार्टी ने संघ पर यह भी आरोप लगाया कि उसने संविधान निर्माण के लिए अपने एक भी प्रतिनिधि को संविधान सभा में नहीं भेजा था इसलिए शुरू से ही वह (आरएसएस) संविधान को नकारता रहा है।

## फॉर्मर रजिस्ट्री का 50 फीसदी कार्य पूर्ण

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसानों के पंजीकरण पर जोर दे रही है। प्रदेश में 50 प्रतिशत तक फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण हो चुका है। एक अप्रैल 2026 से पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त उन्हीं किसानों को मिलेगी जिन्होंने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया होगा। ऐसे में सरकार किसानों के रजिस्ट्रेशन पर जोर दे रही है। प्रदेश सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को पीएम किसान पोर्टल पर प्रत्येक किसान का विवरण अपडेट कराने एवं 16 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन शिविर लगाने के निर्देश दिये हैं। हर गांव में कम से कम एक शिविर आयोजित करना होगा।

# रेलवे उपकरणों का बड़ा निर्यातक बन रहा है भारत

लोकोमोटिव गिनी गणराज्य में पहुंचे)

**गोरखपुर।** भारतीय रेलवे मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड विजन के तहत बोगियों, कोचों, लोकोमोटिव और प्रणोदन प्रणालियों सहित महत्वपूर्ण रेलवे उपकरणों के वैश्विक निर्यातक के रूप में तेजी से उभर रहा है। यह बढ़ता निर्यात क्षेत्र भारत की डिजाइन, विकास और मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड को दशार्ता है। भारत के रेलवे उत्पाद तेजी से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच रहे हैं। मेट्रो कोच ऑस्ट्रेलिया और कनाडा को निर्यात किए गए हैं, बोगियां ब्रिटेन, सऊदी अरब, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया को, प्रणोदन प्रणालियां फ्रांस, मैक्सिको, रोमानिया, स्पेन, जर्मनी और इटली को, यात्री कोच मोजाम्बिक, बांग्लादेश और श्रीलंका को, तथा लोकोमोटिव मोजाम्बिक, सेनेगल, श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश और गिनी गणराज्य को निर्यात किए गए हैं। जून 2025 में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मढ़ौरा लोकोमोटिव निर्माण संयंत्र से गिनी गणराज्य के लिए निर्यात हेतु पहले इंजनों को हरी झंडी दिखाई। अब तक, मढ़ौरा में निर्मित 6 इंजनों का सफलतापूर्वक निर्यात किया जा चुका है। हाल ही में, ये इंजन गिनी गणराज्य पहुंच गए हैं। मढ़ौरा प्लांट ने इवोल्यूशन सीरीज के इंजनों के निर्यात के लिए दूसरा रणनीतिक ऑर्डर हासिल कर लिया है, जिससे अफ्रीका के लिए कुल निर्यात लगभग 150 इकाइयों का हो गया है।

4,500 एचपी इवोल्यूशन सीरीज इंजन से युक्त ये लोकोमोटिव, अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता और उच्च तापमान वाले वातावरण में भी सिद्ध प्रदर्शन प्रदान करते हैं। ये लोकोमोटिव भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की मांगों को पूरा करने की क्षमता को दशार्ते हैं। बिहार में मढ़ौरा संयंत्र की सफलता रणनीतिक सार्वजनिक-निजी भागीदारी का प्रमाण है, जो नवाचार, कौशल विकास और वैश्विक रेलवे आपूर्ति श्रृंखला में प्रभावी योगदान देने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करती है।

## उत्तर रेलवे मुख्यालय द्वारा स्वच्छता जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन

**नयी दिल्ली** : उत्तर रेलवे द्वारा आज बड़ौदा हाउस के प्रांगण में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस

अवसर पर मुख्य कार्मिक अधिकारी (IR) श्री राजीव बाजाज, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (IR) श्री अवधेश कुमार तथा सहायक कार्मिक अधिकारी श्री नरदेव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नुक्कड़ नाटक में कलाकार श्री अनुप, श्री भरत, श्री रंजीत, श्री परिवेश, श्री अमन, श्री हरीश, श्री हेमंत एवं सुश्री मीनाक्षी ने भाग लिया। नाटक का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा कचरे के सही प्रबंधन के महत्व को उजागर करना था और आमजन तक यह संदेश पहुंचाना था कि ₹स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि हम सभी घर-घर और कार्यस्थल पर सफाई रखें, कचरे को सही स्थान पर डालें और प्लास्टिक के उपयोग को कम करें, तो देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं दर्शकों ने कलाकारों के प्रयास की सराहना की और इसे एक सार्थक पहल बताया।

## AISMNF के उत्तर प्रदेश के मंडल अध्यक्षों की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फैडरेशन ने पूर्व व पश्चिम क्षेत्रों के जिलों को 6 जोन में विभाजित करते हुए मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गयी है। अक्ऱटठॠके राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न और प्रदेश अध्यक्ष शुहेब अहमद ने संयुक्त विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया है कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमजद हुसैन होंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मुकेश गोयल, महासचिव की नीरज गुप्ता एवं सचिव की सौरभ वार्ष्णेय निभायेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी परवेज आलम, महासचिव अनिल त्रिपाठी और सचिव की जिम्मेदारी मुम्ताज खान के कंधों पर रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष सुहेब अहमद ने प्रथम चरण में मंडल अध्यक्षों के नामों की घोषणा करते हुए जानकारी दी कि मेरठ मंडल के संदीप सिंघल, सहारनपुर मंडल के सरदार अहमद, अलीगढ़ मंडल के पंकज धीरज, लखनऊ मंडल के अनिल सिंह, कृष्ण कुमार चतुवेर्दी वाराणसी, अनुपम शुक्ला प्रयागराज, आशीष सक्सेना मुरादाबाद, मृत्युंजय शंकर सिन्हा गोरखपुर, दीपक राजावत झांसी, राजेश्वर सिंह बांदा, नरेंद्र प्रताप आजमगढ़ व राजेश पटेल मिजार्पुर के लिए नियुक्त किये गये हैं। उन्होंने जानकारी दी कि नियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री और प्रदेश मंत्री अपने-अपने जोन में संगठनात्मक कार्यों का संचालन करेंगे। ईस्टर्न जोन में वाराणसी, प्रयागराज,बांदा, झांसी, मिजार्पुर, आजमगढ़, गोरखपुर, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती मंडल हैं जबकि वेस्टर्न जोन में लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ, सहारनपुर मंडल हैं। नियुक्त पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में मंडल महामंत्री, जिला अध्यक्ष और जिला टीम का गठन करेंगे।

## 2 अक्टूबर से शुरू होने वाले विशेष अभियान 5.0 की सफल शुरूआत के लिए भारतीय रेलवे में तैयारियाँ जोरों पर

गोरखपुर :रेल मंत्रालय में विशेष अभियान 5.0 के सफल क्रियान्वयन के लिए तैयारियाँ जोरों पर हैं। यह अभियान सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को संस्थागत रूप देने के लिए की गई एक खास पहल है, जिसकी शुरूआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी। यह अभियान संपूर्ण भारतीय रेलवे में लागू किया जाएगा। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज रेलवे बोर्ड कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार ने की। बैठक में सभी महाप्रबंधक/क्षेत्रीय रेलवे, महाप्रबंधक/पीयू, महानिदेशक/आरडीएसओ एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा एमडी/सीएमडी/पीएसयू के साथ-साथ रेलवे बोर्ड के संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने सभी क्षेत्रीय रेलों और अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों के महाप्रबंधकों को अभियान की गतिविधियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया। विशेष अभियान 5.0 के तहत प्रमुख लक्ष्यों में स्क्रैप निपटान से राजस्व अर्जित करना, ई-कचरा प्रबंधन, स्थान का अधिकतम उपयोग, ई-फाइलों की समीक्षा और उनका निराकरण तथा लंबित संदर्भों और जन शिकायतों का समय पर निपटान सुनिश्चित करना शामिल है। स्वच्छता अभियान चलाने के अलावा, अपशिष्ट से धन अर्जित करने की पहल और प्रभावी ई-फाइल प्रबंधन पर खास जोर दिया जाएगा। जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, अमृत संवाद के रूप में नागरिक-केंद्रित पहल सभी प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित की जाएँगी, जिनमें 105 अमृत भारत स्टेशन भी शामिल हैं। अभियान के दौरान

की गतिविधियों और उपलब्धियों को सोशल मीडिया, स्थानीय समाचार चैनलों और प्रेस विज्ञप्तियों आदि के जरिए प्रदर्शित किया जाएगा। रेल मंत्रालय विशेष अभियान 5.0 को उचित तरीके से लागू करने और इसे एक बड़ी सफलता बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

## ये गाड़ियाँ पूर्ववत निर्धारित समय एवं ठहराव के अनुसार चलाई जायेंगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व में निरस्त की गई निम्नलिखित गाड़ियों का संचलन बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ियाँ पूर्ववत निर्धारित समय एवं ठहराव के अनुसार चलाई जायेंगी।

संचलन बहाल की जाने वाली गाड़ियाँ-

-जम्मूतवी से 03 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-बरौनी से 05 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 14691 बरौनी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गुवाहाटी से 01 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15653 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 03 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15654 जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-भागलपुर से 02 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 04 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 12588 जम्मूतवी-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गोरखपुर से 06 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 07 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15098 जम्मूतवी-भागलपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-गुवाहाटी से 06 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

-जम्मूतवी से 08 अक्टूबर, 2025 से चलने वाली 15652 जम्मूतवी-गुवाहाटी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है।

# लखनऊ जं. पर स्वच्छता की शपथ लेते हुए रेलकर्मचारी एवं सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत 01 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा तीनो मंडलों-लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर में सामूहिक स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। 01 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ह्यस्वच्छता ही सेवाह्य के तहत स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी, जन संवाद, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन किया गया साथ ही गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, ऐशबाग, लखनऊ जं. सहित अन्य स्टेशनों तथा गोंडा एवं ऐशबाग डिपो, कॉलोनियों एवं मंडलीय चिकित्सालयों में स्वच्छता शपथ के साथ स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की गई। विभिन्न स्टेशनों पर गहन साफ-सफाई की गई। इस अभियान के अन्तर्गत वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं रेलवे कालोनियों में कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वाराणसी, छपरा, मऊ, गाजीपुर एवं बलिया स्टेशनों पर रेल यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्वच्छता शपथ, सार्वजनिक जागरूकता कार्यशाला, पैम्फलेट, सेल्फी प्वाइंट, सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता संवाद आदि का आयोजन किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत इज्जतनगर मंडल के विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों एवं कॉलोनियों में स्वच्छता की शपथ एवं स्टेशन परिसर में ह्यस्वच्छ रेल, स्वच्छ भारतह्य थीम पर मॉनिंग प्रभात फेरी निकाली गई। इसक अन्तर्गत स्टेशनों एवं कालोनियों में साफ-सफाई का आयोजन किया गया तथा स्वच्छता सेल्फी ली गई। स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर में ललित नारायण मिश्रा रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर द्वारा एक विशेष सघन सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर के अंतर्गत आनेवाली रेलवे कॉलोनियों एवं चिकित्सालय परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के दौरान स्वच्छता ही सेवा-2025 के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्वच्छता जागरूकता रैली, सफाई अभियान, सफाई मित्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, स्वच्छता शपथ, अपशिष्ट प्रबंधन एवं जनजागरूकता गतिविधियों का संचालन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सालय के सभी चिकित्साधिकारी, स्वास्थ्य कर्मियों, निरीक्षकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और रेलवे कॉलोनी को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल स्वच्छ वातावरण बनाए रखना है, बल्कि आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना को भी सशक्त करना है। रेलवे चिकित्सालय के चिकित्सक, स्वच्छता कर्मचारियों ने संकल्प लिया है कि स्वच्छता ही सेवा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सत्त जनआंदोलन है, और इसे निरंतर जारी रखते हुए रेलवे परिसर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सभी प्रयास किए जाते रहेंगे।

## क्राप सर्वे अभियान में शंका समाधान के लिए गठित हुआ कंट्रोल रूम

**लालगंज, प्रतापगढ़।** तहसील क्षेत्र के गांवों में खरीफ फसल को लेकर क्राप सर्वे को लेकर चलाए जा रहे अभियान में प्रशासन ने ग्रामीणों से सहयोग मांगा है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने बताया है कि आगामी दस अक्टूबर तक क्षेत्रीय लेखपालों व पंचायत सहायक तथा रोजगार सेवक के द्वारा गांवों में सर्वे अभियान का संचालन किया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि यह सर्वे कर्मचारियों द्वारा मोबाइल फोन एप से किया जा रहा है। उन्होने अभियान को लेकर कतिपय ग्रामों में अभद्रता की शिकायत के निस्तारण को लेकर तहसील स्तरीय अधिकारियों के कंट्रोल रूम के भी गठन की जानकारी दी है। उन्होने ग्रामीणों से कहा है कि अभियान को लेकर किसी भी प्रकार के संदेह अथवा भ्रम की स्थिति में राजस्व विभाग के कंट्रोल रूम से समाधान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

## मारपीट का आरोपी धराया, गया जेल

**लालगंज, प्रतापगढ़।** विवाहिता के साथ मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी पति को जेल भेज दिया। उदयपुर निवासी रमाशंकर वैश्य की पुत्री पूजा 27 का विवाह चाहिन गांव निवासी लवकुश वैश्य पुत्र छोटू के साथ हुआ। आरोप है कि बीती उन्तीस सितंबर को दहेज की मांग को लेकर पति लवकुश ने पूजा को जमकर मारापीटा। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के दरोगा नंदलाल यादव ने बताया कि बुधवार सुबह आरोपी पति को रामपुर कसिहा के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

## महानवमी पर हुआ भण्डारा, शिक्षक विधायक ने किया लोकमंगल की कामना

**लालगंज, प्रतापगढ़।** नगर पंचायत के राजेन्द्र नगर चौराहे पर महानवमी को लेकर हुए भण्डारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं मां दुर्गा पूजा पाण्डाल में हुए भजन संकीर्तन में भी श्रद्धालुओं को आनंदित देखा गया। भण्डारे का संयोजन पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी व अधिवक्ता संजय द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी भी शामिल हुए। उन्होने कहा कि नवमी का पर्व आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना से लोकमंगल को मजबूती प्रदान किया करता है। आयोजन समिति द्वारा शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता द्विवेदी ने किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सभासद डा0 श्रवण प्रजापति, शिवकुमार तिवारी, संजीव पाण्डेय, शास्त्री सौरभ त्रिपाठी, मनीष मिश्र, विमलेश नारायण तिवारी, अक्षत तिवारी, कल्लू तिवारी आदि रहे। आभार प्रदर्शन सह संयोजक राकेश द्विवेदी ने किया।

## शासन द्वारा आलू बीज विक्रय दर का किया गया निर्धारण-जिला उद्यान अधिकारी

**प्रतापगढ़।** जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया है कि उ0प्र0 शासन द्वारा वर्ष 2025-26 में आलू बीज विक्रय दर का निर्धारण किया गया है। उन्होने बताया है कि आलू बीज श्रेणी आधारित द्वितीय टुथफूल आधारित प्रथम ओवर साइज के तहत प्रथम सीड साइज 3715 रुपए प्रति कुन्तल, द्वितीय सीड साइज 3510 रुपए प्रति कुन्तल, प्रथम ओवर साइज 2840 रुपए प्रति कुन्तल, द्वितीय ओवर साइज 2785 प्रति कुन्तल व द्वितीय टुथफूल 2760 प्रति कुन्तल निर्धारित हैं। सफेद एवं लालू की प्रजातियों की विक्रय दरें एक समान है। इच्छुक कृषक विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ पर सम्पर्क कर सकते है।

## भरत मिलाप के तहत नगर पालिका अन्तर्गत आबकारी दुकाने 04 अक्टूबर को सायं 5 बजे से मेला समाप्ति तक रहेंगी बन्द-जिला मजिस्ट्रेट

**प्रतापगढ़।** जनपद में भरत मिलाप के अवसर पर लोकशान्ति व्यवस्था बनाये रखने व विधिक व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से आबकारी अधिनियम-1910 की धारा-59 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी ने भरत मिलाप के द्दष्टिगत जनपद प्रतापगढ़ में बेल्हा नगर पालिका के अन्तर्गत स्थित देशी मदिरा दुकान भंगवा चुंगी, स्टेशन रोड, बाबागंज (सदर), सदर बाजार, जेल रोड अचलपुर, मकन्द्रूगंज, चिलबिला, महुली, कचेहरी रोड एवं सिविल लाइन, कम्पोजिट दुकानें-भंगवा चुंगी, स्टेशन रोड, बाबागंज, मकन्द्रूगंज, सदर बाजार, चिलबिला, महुली, सिविल लाइन एवं मॉडल शाप विवेक नगर व कचेहरी रोड (डीआईओएस आफिस से पीडब्लूडी चौराहा संजय मार्केट तक) तथा भांग की दुकान-सिविल लाइन, भंगवा चुंगी, बाबागंज, सदर बाजार, चिलबिला आबाकारी दुकाने दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को सायं 5 बजे से मेला समाप्ति अवधि तक पूर्णतया बन्द रहेगी। इस बन्दी के लिये सम्बन्धित अनुज्ञापियों को किसी प्रकार की क्षतिपूर्ति देय नहीं होगी।

## जनपद में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर आयोजित होगें विविध कार्यक्रम-जिलाधिकारी

**प्रतापगढ़।** जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया है जनपद में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती समारोह को पूरे उत्साह व भव्यता के साथ मनाया जायेगा एवं विविध कार्यक्रम आयोजित होगें। उन्होने बताया है कि सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा। प्रातः 7.30 बजे 05 किमी बालक एवं 03 किमी बालिका की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पूर्वान्ह 9 बजे से समस्त कार्यालयों, विद्यालयों एवं समाजसेवी संस्थाओं के किसी बड़े हाल में महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के बड़े चित्र का अनावरण व माल्यार्पण एवं राम धुन का गायन होगा। तत्पश्चात इन महापुरूषों के जीवन संघर्ष, त्याग, बलिदार एवं नैतिक मूल्यों पर विचार विमर्श। सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने कार्यालयों में श्रमदान के द्वारा साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करेगें। स्वच्छ भारत मिशन/स्वच्छता की शपथ दिलायी जायेगी। पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितकों को बुलाकर उनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्यो का रेखांकन किया जायेगा, चिलबिला पार्क में वृक्षारोपण किया जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे से पूर्वान्ह 10.30 बजे तक जोगापुर एवं जिला महिला चिकित्सालय के बगल स्थित कांशीराम कालोनी में सफाई एवं स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन होगा। पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक बौद्ध बिहार चिलबिला में राष्ट्रीय एकीकरण कार्यक्रम का आयोजन होगा। पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी माध्यमिक विद्यालयों में सांस्कृतिक एवं दोनो महापुरूषों के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ में सांस्कृतिक एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम, मण्डी समिति महुली में वृक्षारोपण कार्यक्रम, पूर्वान्ह 10 बजे से हादीहाल में कार्यक्रम, प्रत्येक गांवसभा में स्वस्थ बालक को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम एवं महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे घरौनी व वरासत की खतौनी का वितरण, पूर्वान्ह 11 बजे से जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय में सरसों की मिनी किट का वितरण तथा अपरान्ह 3 बजे जनसेवा निकेतन विवेकनगर खादी संस्था के प्रांगण में सफाई कार्यक्रम एवं रामधुन का आयोजन होगा।

## बीएसबीडी खाताधारक भी अब मुफ्त में डिजिटल बैंकिंग सुविधा का लाभ उठा सकेंगे, आरबीआई गवर्नर क्या बोले जानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नो-फ्रिल्स खाताधारक अब डिजिटल बैंकिंग सुविधा का मुफ्त उपयोग कर सकेंगे। रिजर्व बैंक ने बुधवार को बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए दी जाने वाली सेवाओं के विस्तार का एलान किया। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। नो-फ्रिल्स खाताधारक अब डिजिटल बैंकिंग सुविधा का मुफ्त उपयोग कर सकेंगे। रिजर्व बैंक ने बुधवार को बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए दी जाने वाली सेवाओं के विस्तार का एलान किया। नो-फ्रिल्स या बीएसबीडी ऐसे खाते होते हैं जो खाताधारकों को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजाइल किए गए हैं। बीएसबीडी खाते बैंक ग्राहकों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किए गए हैं। बैंकों की ओर से निःशुल्क प्रदान की जाने वाली कुछ सेवाओं में बैंक शाखाओं के साथ-साथ एटीएम/सीडीएम में नकदी जमा करना, तथा एटीएम निकासी सहित एक महीने में न्यूनतम चार निकासी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

### देशवासियों को दशहरा की हार्दिक शुभकामनाये

**लखनऊ।** राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने विजयदशमी दशहरा के पावन पर्व पर देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।श्री राय ने अपने संदेश में कहा कि दशहरा असत्य पर सत्य की, अहंकार पर विनम्रता की और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि चाहे बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंततः विजय सदैव सत्य और धर्म की ही होती है। रावण वध का यह पर्व हमें अपने भीतर और समाज में फैली बुराइयोंकृअन्याय, भ्रष्टाचार, भेदभाव और असमानताकृको समाप्त करने की प्रेरणा देता है। हमें आज के दिन संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में सत्य, न्याय और सद्भावना का मार्ग अपनाएँगे और देश की प्रगति में सकारात्मक योगदान देंगे। जिस प्रकार भगवान राम ने मर्यादा और धर्म का पालन करते हुए विजय प्राप्त की, उसी प्रकार हमें भी समाज और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करना चाहिए।

### गांधीवादी विचारों की रोशनी में आत्मनिर्भर भारत की ओर पर संगोष्ठी

**लखनऊ।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 156वीं जयंती के अवसर पर मौलाना आजाद मेमोरियल अकादमी, लखनऊ के तत्वावधान में एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसका विषय था दृ ष्महिलाओं का सशक्त और स्वस्थ बननारू गांधीवादी विचारों की रोशनी में आत्मनिर्भर भारत की ओरष। संगोष्ठी का उद्घाटन अकादमी के महासचिव डॉ. अब्दुल कुद्दूस हाशमी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गांधी जी के अनुसार समाज की असली शक्ति महिलाएँ हैं और आज आवश्यकता है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के माध्यम से उन्हें उनका सम्मानजनक स्थान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि महिला स्वस्थ और सशक्त होगी तो परिवार, समाज और देश सब मजबूत होंगे। इस अवसर पर स्टेट तकमील-उल-तिब्ब कॉलेज की प्रो. सफ़िया लोखंडे, डॉ मनी राम डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी की प्रो. सोफिया अहमद और पुलिस विभाग से सुश्री विदुषी ने अपने विचार रखे। स्टेट तकमील-उल-तिब्ब कॉलेज के डॉ. नूर हसन, डॉ. तारिक बिलाल, डॉ. रफ्शा अफ्रोज और डॉ. मोहम्मद फुरकघन ने भी अपने लेख प्रस्तुत किए और गांधीवादी विचारों को आज की परिस्थितियों से जोड़ा। अकादमी के महासचिव डॉ. हाशमी ने सभी युवा डॉक्टरों का शाल उड़ाकर उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यही पीढ़ी भविष्य के भारत को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाएगी। इस अवसर पर महिला स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं को परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँऔर मुफ्त दवाएं दी गईं। साथ ही स्टेट तकमील-उल-तिब्ब कॉलेज की ओर से ÷सशक्त नारीदृसशक्त भारत सेवा पखवाड़ा÷ शीर्षक से एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया गया और यह संकल्प लिया गया कि गांधीवादी विचारों की प्रेरणा से महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के अवसर निरंतर प्रदान किए जाएंगे।

### मां कल्याणी कालीबाड़ी मंदिर में दुर्गा पूजा का आयोजन

**लखनऊ।** इंदिरा नगर आवासीय महासमिति के महासचिव सुशील कुमार बच्चा ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी इंदिरा नगर प्रियदर्शनी वार्ड के मानस एनक्लेव में मां कल्याणी कालीबाड़ी मंदिर में भव्य तरीके से दुर्गा पूजा का आयोजन हुआ है। इस आयोजन में चंडी पाठ ,डांडिया नृत्य, शंख एवं धुनुचि नृत्य के कार्यक्रम का दिन भर आयोजन चलता रहा है साथ ही सभी ने भोग प्रसाद खाकर मां दुर्गा के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुशील भट्टाचार्य, कोषाध्यक्ष गौतम अधिकारी, दीपक बनर्जी, पीके डे, दीपक बनर्जी, देवाशीष बनर्जी सहित समिति के अन्य सदस्य शामिल रहे।

### पड़ोसी ने छह साल की बच्ची से की छेड़छाड़

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के बाजारखाला थाना क्षेत्र में पड़ोसी ने छह साल की बच्ची से छेड़छाड़ की। आरोपी के चंगुल से छूटकर भागी बच्ची ने सारी घटना अपनी मां को बताई। इसके बाद मां बच्ची को थाने लेकर गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी को हिरासत में लिया है। बाजारखाला निवासी पीड़िता ने बताया कि उसकी छह साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला अनवर पुत्र इकबाल उसे घर बुला ले गया। बच्ची के साथ गंदी हरकत करने लगा। बच्ची के रोने पर उसे छोड़ दिया। इसके बाद बच्ची घर जाकर मां को सारी जानकारी दी। पीड़िता बच्ची को लेकर थाने गई और अनवर के खिलाफ केस दर्ज कराया। मामले में इंस्पेक्टर बाजारखाला का कहना है कि बच्ची का मेडिकल कराया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पॉक्सो एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

### मां सिद्धिदात्री की हुई आराधना

**लखनऊ।** नंदना बीकेटी स्थित इक्यावन शक्तिपीठ में शारदीय नवरात्र की नवमी को मां का इच्छा श्रृंगार, मां सिद्धिदात्री का पिंडी पूजन, हवन किया गया। मंदिर की अध्यक्ष तृप्ति तिवारी ने बताया कि सिद्धगन्धर्वयक्षाधैरसुरैरमरैरपि।सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनीघ्मां सिद्धिदात्री सिद्धों, गन्धर्वों, यक्षों, असुरों और देवताओं तक द्वारा पूजित हैं। वे सदा भक्तों को सिद्धियां प्रदान करने वाली और सिद्धिदायिनी के रूप में पूज्य हैं। उन्होंने बताया कि मन्दिर परिसर मे रास-गरबा एवं डांडिया उत्सव-2025 दिनांक 5 अक्टूबर

### लखनऊ आएंगे त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, केजीएमयू के इवेंट में होंगे शामिल

**लखनऊ।** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा इस महीने लखनऊ का दौरा करेंगे। वो प्रदेश के सबसे बड़े चिकित्सा विश्वविद्यालय, केजीएमयू के पुनर्भवम और मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा गैलरी से जुड़े कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। 31 अक्टूबर से शुरू हो रहे, इस 3 दिवसीय कार्यक्रम में मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा के कई दिग्गज एक्सपर्ट भी शामिल होंगे। इनमें चेन्नई के डॉ.अनंत नारायण भी शामिल हैं। केजीएमयू के शताब्दी फेज 2 में होने वाले इस आयोजन के सचिव प्रो.अमिय अग्रवाल ने बताया कि इस 3 दिवसीय आयोजन में देश के कई दिग्गज मैक्सिलोफेशियल एक्सपर्ट शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा होंगे। वो खुद चिकित्सा विश्वविद्यालय के डेंटल फैकल्टी के एलुमिनाई रहे है। डॉ.अमिय अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान सर्जिकल एयरवे, अप्रोचेस टू ऑर्बिट और बोन ग्राफ्ट हार्वेस्टिंग पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन होगा। इसके अलावा लेक्चर ऑन मेडिकल इमरजेंसी मैनेजमेंट पर भी एक्सपर्ट टिप्स देंगे। त्रिपुरा सीएम डॉ.माणिक साहा ने केजीएमयू से एमडीएस की पढ़ाई की है। इस दौरान उन्होंने ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी की पढ़ाई की थी। वो इससे पहले 22 दिसंबर 2023 को केजीएमयू के अटल बिहारी कन्वेंशन सेंटर में इंटरनेशनल जॉर्जियन मीट में भी वो शामिल हुए थे। इसी साल उनके नाम पर केजीएमयू ने एक मेधावी छात्र को गोल्ड मेडल देने का भी ऐलान किया है।

### पुरानी पेंशन बहाली के लिए उडाये गुब्बारे

**लखनऊ।** आल इण्डिया एन.पी.एस. इम्प्लाइज फेडरेशन भारत के तत्वधान में आज ध्यान आकर्षण प्रोग्राम के तहत पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, कैन्ट रोड, उदयगंज, लखनऊ में आंठवा पे कमीशन गठित करने तथा पुरानी पेंशन बहाली के लिये गुब्बारे उडाने का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसके द्वारा विभिन्न संगठन प्रधान मंत्री एवं मुख्यमंत्री के ध्यान को इन प्रमुख विषयो पर ध्यान आकर्षित करने के लिये किया जा रहा है। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के शिक्षको, कर्मचारियों व अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एक तरफ जहां सरकार शिक्षक व कर्मचारियों को पेंशन देने को तैयार नहीं है। फिर उसका सम्मान झूठा है उसका असली सम्मान उसके बुढापे की लाठी ओपीएस बहाल करना है। उदाहरण देख ले कि देश के पूर्व उपराष्ट्रपति अपने लिए राजस्थान विधानसभा में पेंशन पाने के लिए आवेदन कर कर चुके है। जबकि वह दो नही तीन तीन पेंशन के रूप मे 27300 रुपये ले रहे है। सभी एमपी एमएलए दो दो तीन तीन पेंशन ले रहे है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व राम लाल यादव, प्रान्तीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा किया गया।

## गायत्री प्रजापति पर हमला करने वाले हत्यारोपित कैदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

- जेल प्रशासन की तरफ से तहरीर देकर गोसाईगंज थाने में दर्ज कराया गया मामला
- गायत्री प्रसाद प्रजापति की बेटियों ने की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग
- गोसाईगंज थाने में मारपीट का मुकदमा दर्ज
- मुकदमा दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुटी

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी सरकार में मंत्री रहे गायत्री प्रजापति पर हत्यारोपित कैदी के हमले करने के मामले में जेल प्रशासन ने तहरीर देकर गोसाईगंज थाने में मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। जेलर राजेश कुमार की तरफ से प्राप्त तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुटी है। गायत्री प्रसाद प्रजापति की बेटी अंकिता ने सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गोसाईगंज जेल में बंद गायत्री प्रजापति पर मंगलवार की शाम सफाई बंदी ने लोहे की पटरी से हमला कर दिया था। घटना में गायत्री प्रजापति के सिर और हाथ पर चोट आई थी। जेल के अस्पताल में इलाज के बाद उन्हें ट्रामा सेंटर भेज दिया गया।

जेलर राजेश कुमार ने बुधवार को तहरीर देकर गोसाईगंज थाने में मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपित कैदी की पहचान सआदतगंज निवासी विश्वास राजपूत के रूप में हुई है। वह 2022 से हत्या के आरोप में जेल में बंद है।

लखनऊ परिक्षेत्र के डीआइजी जेल डाक्टर राम धनी ने बताया कि 30 सितंबर को पूर्व विधायक की तरफ से बंदी को अपशब्द कहे गए थे। इस पर अलमारी के नीचे लगे लोहे की पटरी से आरोपित बंदी ने उन्हें चोट पहुंचाई थी। उन्हें परामर्श हेतु केजीएमयू ट्रामा सेंटर भेजा गया है। उनका स्वास्थ्य सामान्य है।

आरोपित बंदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। डीआइजी के मुतबिक, यह आकस्मिक घटना है। किसी भी प्रकार की साजिश सामने नहीं आई है। विभागीय जांच की जा रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। संबंधित को निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं।

## मोबाइल प्रयोगशाला ने 36 जिलों में की सख्त जांच

- 20 लाख रूपये से अधिक की 157 कुण्टल से अधिक खाद्य सामग्री जब्त मोबाईल प्रयोगशाला के जरिये बाजारों मे खाद्य पदार्थो की टेस्टिंग, लोगो को किया जागरूक

संवाददाता

**लखनऊ।** आयुक्त,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डा रोशन जैकब के निर्देशों के क्रम मे प्रदेश के 29 व 30 सितम्बर को 36जनपदों में खाद्य पदार्थो पनीर, घी, खोया, खाद्य तेल एवं बेसन की मोबाईल प्रयोगशाला द्वारा मण्डियों प्रमुख बाजारों में प्राथमिक जॉच की गयी। मानक के अनुरूप न पाये जाने पर नियमानुसार जब्तीकरण नष्टीकरण की कार्यवाही की गयी प्राप्त जानकारी के अनुसार दो दिवसीय अभियान मे 1688 निरीक्षण किये गये,667 स्थानो पर छापेमारी की गयी और 779 नमूने संग्रहित किए गए। 157 कुंतल से अधिक मात्रा की खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 20 लाख से अधिक बताया गया है। 1170 किलोग्राम सामग्री नष्ट की गई है, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग रूपये 2 लाख 40 हजार है। घी के 88,पनीर के 124,खोया के 67, खाद्य तेल के 137,बेसन के 147,अन्य पदार्थो के 216 नमूने संग्रहित किए गए। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियो द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलो मे मोबाईल प्रयोगशाला द्वारा प्रमुख बाजारों में टेस्टिंग, अवेयरनेस करते हुए मिलावट के प्रति सतर्कता बढ़ाई गयी तथा उपभोक्ताओं का खाद्य सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम मे 29 व 30 सितम्बर को विशेष अभियान चलाकर मोबाईल प्रयोगशाला द्वारा प्रमुख बाजारों में टेस्टिंग अवेयरनेस का कार्य किया गया।डा रोशन जैकब द्वारा सहायक आयुक्तो खाद्य व अभिहित अधिकारियो को त्यौहारो के मद्देनजर खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु विशेष सतर्कता व सजगता बरतने के निर्देश दिये गये है।

## भाइयों के बीच मारपीट, बड़े की मौत,छोटे भाई ने धारदार हथियार से हमला किया

संवाददाता

**लखनऊ।** सरोजनी नगर में शराब पीने से मना करने पर दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। छोटे ने गुस्से में आकर बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इससे बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भाई दो अन्य साथियों के साथ अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया में गुटखा कंपनी की ठेकेदारी करते थे। मृतक की पहचान अश्वनी कुमार (33) के रूप में हुई। अश्वनी मूल रूप से आशियाना के रजनी खंड का निवासी था। उसकी मां की कई साल पहले मृत्यु हो चुकी है। पिता राजेश कुमार दूसरी शादी कर महोबा में रहते हैं। अश्वनी का छोटा भाई गौरव उसे हमेशा शराब पीने को मना करता था जिससे झगड़ा हो जाता था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात भी जब अश्वनी शराब पीने लगा तो छोटे भाई गौरव ने मना किया। इस पर वह छोटे भाई से औकात की बात करने लगा। इससे दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। गौरव ने गुस्से में आकर उस पर धारदार हथियार से वार कर दिया। अश्वनी गिरा तो उठ नहीं पाया। सरोजनीनगर पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उसे आनन-फानन में सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई को हिरासत में लिया गया है। वह अभी कुछ स्पष्ट बात बता नहीं रहा है। अश्वनी अपने छोटे भाई गौरव और दो साथियों सोनू-मोनू के साथ कैलाश विहार (गिंदनखेड़ा) में किराए पर रहता था। वे सभी अमौसी औद्योगिक क्षेत्र स्थित कमला पसंद फैक्ट्री में ठेकेदारी का काम करते थे। बताया जाता है कि अश्वनी शराब पीने का आदी था, इसी बात को लेकर भाइयों के बीच अक्सर विवाद होता था। मंगलवार देर रात भी अश्वनी शराब पीने लगा, जिसके बाद दोनों में झगड़ा हो गया। सरोजनीनगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि घटना के समय सोनू और मोनू कमरे पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि गौरव ने हत्या की है या झगड़े के दौरान किसी लोहे की वस्तु से चोट लगने से मौत हुई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## छात्र को सुसाइड के लिए उकसाया, नाबालिग समेत 2 अरेस्ट

संवाददाता

**लखनऊ।** मोहनलालगंज पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग में पैसे गंवाने के बाद 14 साल के किशोर की आत्महत्या करने के मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में झारखंड से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बिहार के एक नाबालिग को भी डिटेन किया गया है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बुधवार को इस मामले का खुलासा किया। यह मामला मोहनलालगंज के धनुवासाड़ गांव का है, जहां 15 सितंबर को छठवीं कक्षा के छात्र यश (13) ने आत्महत्या कर ली थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यश ने अपने पिता के बैंक खाते से 14 लाख रुपए ऑनलाइन गेम में गंवा दिए थे। परिवार को इस बात का पता चलने के बाद छात्र ने सुसाइड कर लिया था। पुलिस की छानबीन में ऑनलाइन गेम खेलने वाले युवाओं के एक गिरोह का खुलासा हुआ, जिसने छात्र को बहला-फुसलाकर अपने खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए थे। बीते शुक्रवार को यश के पिता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ बेटे को ब्लैकमेल करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में गहनता से जांच की और आरोपियों तक पहुंची। पुलिस ने बताया गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनत गोराई (20 वर्ष) निवासी 142 मुस्लिम बस्ती राजस्टेट घाटशिला थाना घाटशिला जिला पूर्वी सिंहभूम झारखंड के रूप में हुई। आरोपी सातवीं कक्षा पास होने के बाद 2018 से फ्री फायर मैक्स गेम खेल रहा है। 2024 में इंटर पास किया है। वह डीजी जनरेटर की सर्विस करने वाले इंजीनियर के साथ हेल्पर का काम करता था। उसके पिता जनरल स्टोर की दुकान चलाते हैं। आरोपी ने बताया कि उसने एक बार में ढाई लाख रुपए मिले तो घर के लिए एक बेड, एसी और अन्य घरेलू समान खरीदा था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह फ्री फायर मैक्स ऑनलाइन गेम खेलता था। खेलने के दौरान लखनऊ निवासी यश कुमार यादव से संपर्क हुआ। चौट और कॉल के दौरान उसने यश को गेम खेलने और आईडी बेचने का लालच देकर विश्वास में लिया। यश से रुपए ट्रांसफर कराए। इसके बाद आईडी भी नहीं दी गई। जब यश अपने पैसे मांगता था, तब उसे धमकी देता था। पिछले दो महीने से यश के संपर्क में था। पुलिस ने आरोपी के पास से 4 लाख 71 हजार रुपए, एक एप्पल लैपटॉप (यश के पैसे से खरीदा गया कीमत करीब 1.5 लाख रुपए), एक मोबाइल फोन वनप्लस, चार एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड और एक आधार कार्ड बरामद हुआ। उसके अलग-अलग वॉलेट से 1.5 लाख रुपए फ्रीज कराने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में आया है कि आरोपी ने यश की ईमेल आई और पासवर्ड ले लिया था। पैसे देने से मना करने पर आरोपी यश को डराते थे कि उसका गेमिंग अकाउंट बंद कर दिया जाएगा। बार-बार मैसेज और कॉल करके मानसिक दबाव बनाते थे। डर और परिवार से छिपाने के चलते यश लगातार पैसे भेजता रहा। यश के सुसाइड करने पर आरोपी ने डिजिटल प्रमाण नष्ट करने के लिए उसके ईमेल का पासवर्ड बदलकर मोबाइल फार्मेट कर दिया था।पुलिस ने बताया कि जब सनत गोराई ने गेम की आईडी और पासवर्ड नहीं दिया तो यश ने बिहार के वैशाली जनपद में रहने वाले किशोर से सम्पर्क किया। किशोर ने यश से अपने खाते में करीब सवा लाख रुपए ट्रांसफर करवा कर आईडी पासवर्ड उसे दे दिया था। किशोर ने यश से किड्स वैलेट में कुल मिलाकर करीब पांच लाख रुपए मंगाए थे। पुलिस ने किशोर को डिटेन कर उसके परिजनों से यश के पिता के खाते में रुपए वापस ट्रांसफर करा दिए हैं। मृतक यश के पिता बोले आरोपी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। मोहनलालगंज पुलिस ने हमारे परिवार की मदद की है। इसके लिए पुलिस को धन्यवाद देता हूं। डीसीपी साउथ ने पुलिस टीम को पच्चीस हजार रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि गेम कंपनी को एक पत्र भी भेजा जाएगा।

## महिला ने लगाई फांसी, पिता की शिकायत पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

**लखनऊ।** चिनहट थानाक्षेत्र में महिला की आत्महत्या के मामले में पिता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। सोमवार-मंगलवार की बीच रात नजमा नाम की महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरे में ही पति समीम अचेत अवस्था में पड़ा था। महिला अपने पति समीम के साथ बुद्ध विहार सतरीख रोड स्थित बैजनाथ यादव के मकान में किराए पर रहती थी। दोनों की आठ महीने पहले शादी हुई थी। रूधौली बस्ती निवासी मोहम्मद सरीफने बताया कि आठ महीने पहले बेटी नजमा की शादी मोहमदपुर खाला बाराबंकी निवासी समीम से करवाई थी। समीम विभूतिखंड इलाके में दर्जी का काम करता था। शादी के बाद से ही समीम बेटी को प्रताड़ित करता था। मंगलवार सुबह उन्हें जानकारी मिली की बेटी नजमा की हालत नाजुक है। सूचना पर लखनऊ पहुंचे तो मालूम हुआ कि उसकी हत्या कर दी गई है। बेटी के शव को देखा तो उसके शरीर पर चोट के गहरे निशान थे। ऐसा लग रहा था कि उसको दुपट्टे से गला दबाकर मारा गया है। सरीफ के मुताबिक उसकी छोटी ने बेटी ने बताया कि दामाद समीम कुछ दिन पहले भी बहुत बुरी तरह नजमा से मारपीट किया था। इतनी मारा था कि उसके गुप्तांगों में भी चोट आई थी। सोमवार को रात करीब 11 बजे अंतिम बार बात हुई थी तो मालूम हुआ कि चार-पांच लोग आए हैं। जिनके लिए चाय बना रही है। इसके बाद घर में क्या हुआ इसकी जानकारी नहीं है। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पिता की तहरीर पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी पति समीम अब स्वस्थ्य है, उसको हिरासत में लिया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## सहारा शहर सील करने पहुंचे अफसर

फिर से टल गई कार्रवाई, लोगों को मिला 3 दिन का समय

संवाददाता

**लखनऊ।** नगर निगम की टीम बुधवार को सहारा शहर सील करने पहुंच गई। इस दौरान पुलिस फोर्स भी उनके साथ मौजूद थी। टीम ने कई ताले और चेन भी ले रखे थे। इस दौरान सहारा शहर में रहने वाले लोगों ने त्यौहारों का हवाला देकर 3 दिन का समय मांगा। कहा कि इसके बाद वे शहर को खाली कर देंगे। उनके अनुरोध के बाद टीम ने उन्हें वक्त दे दिया। इसके बाद टीम लौट गई।

लखनऊ नगर निगम की टीम 5 ताले और 5 जंजीर अपने साथ लेकर सहारा शहर पर कब्जा जमाने पहुंची। गेट की सीलिंग करने की तैयारी हो ही रही थी कि शहर के प्रतिनिधियों से वार्ता शुरू हो गई। शहर के अंदर रहने वाले लोगों ने दलील दी कि इस समय त्यौहारों का समय चल रहा है। उन्हें 3 दिन का वक्त और दे दिया जाए। इसके बाद वे शहर को खाली कर चले जाएंगे।

**मंगलवार को भी पहुंची थी टीम:** इसके बाद नगर निगम ने उन्हें 3 दिन का समय और दे दिया। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि सीलिंग की कार्रवाई दशहरा के बाद पूरी की जाएगी। अभी नगर निगम की टीम चेतावनी देने के लिए गई थी। इससे पहले मंगलवार को भी टीम कार्रवाई के लिए पहुंची थी, लेकिन उस दौरान भी सीलिंग टल गई थी। लोग कल भी समय मांग रहे थे, लेकिन समय देने पर फैसला नहीं हो पाया था।

**नगर निगम ने 30 साल के लिए दी थी जमीन:** बता दें कि नगर निगम ने सहारा इंडिया से 170 एकड़ भूमि वापस ली है। नगर निगम ने इसे सहारा इंडिया को लीज रेंट पर 30 साल के लिए दिया था। यहां पर रेजिडेंशियल के साथ ही कॉमर्शियल डेवलपमेंट होना था, लेकिन सहारा इंडिया ने शर्तों का उल्लंघन किया। इसके बाद से नगर निगम सीलिंग की तैयारी कर ली।

**कंपनी ने किया शर्तों का उल्लंघन:** नगर आयुक्त गौरव ने बताया कि साल 1994 में नगर निगम ने आवासीय योजना डेवलप करने के लिए सहारा इंडिया हाउसिंग लिमिटेड को यह जमीन दी थी। इसमें आवासीय प्लाट पर मकान बनाकर कॉलोनी विकसित की जानी थी। कंपनी ने शर्तों का उल्लंघन किया। इसके बाद साल 1997 में लाइसेंस डीड निरस्त करने का नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बावजूद कंपनी ने आम लोगों के लिए आवासीय योजना विकसित करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऐसे में अब लीज का समय पूरा होते ही नगर निगम अपना कब्जा लेने के तैयारी कर चुका है। कोर्ट के आदेश के बाद ही नगर निगम यह कार्रवाई कर रहा है।

## नवमी पर बड़ी काली मंदिर में उमड़े भक्त, माता सिद्धिदात्री की पूजा

संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के ऐतिहासिक बड़ी काली मंदिर में शारदीय नवरात्रि की नवमी पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। मां सिद्धिदात्री की आराधना के लिए श्रद्धालु परिवार सहित मंदिर पहुंचे और माता के दरबार में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा बीकेटी चंद्रिका देवी समेत शहर के विभिन्न मंदिर परिसर में जयकारों की गूंज और धार्मिक माहौल देखते ही बन रहा है। सुबह चार बजे से ही मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए। भोर से ही भक्त मां के दर्शन करने और विशेष पूजा में शामिल होने पहुंचे।

भक्तों ने फल, फूल और चुनरी चढ़ाकर माता से सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, देवी सिद्धिदात्री भक्तों को आठों सिद्धियां प्रदान करती हैं और उनके जीवन से सभी विघ्नों का नाश करती हैं। बड़ी काली मंदिर में इस मौके पर विशेष पूजा विधि का आयोजन किया गया है।

भक्तों ने बताया कि मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद वे घर जाकर कन्या पूजन करेंगे। परंपरा के अनुसार, इस दिन कन्याओं को भोजन कराकर उन्हें उपहार और आशीर्वाद दिया जाता है। मंदिर परिसर में भी कन्या पूजन की तैयारी की जा रही है। नवरात्रि के समापन पर पूरे लखनऊ का माहौल भक्तिमय हो उठा है। बड़ी काली मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भजन-कीर्तन और मां के जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक बना हुआ रहा।

## सीएम साहब, मेरे पति की जान पर मंडरा रहा खतरा! पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद की पत्नी ने योगी से लगाई सुरक्षा की गुहार

संवाददाता

**लखनऊ।** लखनऊ की जेल में समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति पर हमला हो गया। जेल के अस्पताल में भर्ती गायत्री प्रसाद की एक दूसरे कैदी से कहासुनी हुई थी। इसी विवाद के बाद वह कैदी गुस्से में आकर उन पर टूट पड़ा। हमले में गायत्री प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर पर कई टांके लगाए गए हैं। इलाज के लिए उन्हें देर रात लखनऊ के केजीएमयू अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हमले की खबर आते ही राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले की निष्पक्ष और न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यूपी में अब कोई सुरक्षित नहीं है और इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय हैं। केजीएमयू ट्रामा सेंटर में भर्ती पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति ने कहा कि जिनका नाम विश्वास है, वह एक शातिर अपराधी है और जेल में काफी दिन से बंद है। उन्होंने बताया कि उनके बीच कोई विवाद नहीं था, लेकिन अचानक हमला कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारी जान बच गई है। बताया जा रहा है कि हमले की जानकारी मिलते ही गायत्री प्रसाद का परिवार भी अस्पताल पहुंच गया। उनकी पत्नी महाराजी देवी ने कहा कि उन्हें खबर मिली कि उनके पति पर हमला हुआ है, इसलिए वे अस्पताल आई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि उनके पति की सुरक्षा के लिए ध्यान दिया जाए क्योंकि उनकी जान खतरे में है। मिली जानकारी के अनुसार, जेल में सफाई के काम में लगे एक कैदी और पूर्व मंत्री के बीच बहस हुई, जो गुस्से में बदल गई और आरोपी कैदी ने हमला कर दिया। घायल पूर्व मंत्री को तुरंत जरूरी इलाज दिया गया और अब उनकी हालत स्थिर है। वहीं यह मामला अभी भी जांच के दायरे में है और आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

### बेजुबानों स्वानों का सहारा अवधेश वर्मा

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा न सिर्फ एक संघर्षशील नेता हैं, बल्कि एक संवेदनशील इंसान भी हैं। शहर के बेजूबान स्वानों के प्रति उनका असीम लगाव है। उनके द्वारा दर्जनों स्वानों को भोजन कराना उनकी दैनिक दिनचर्या में बदल चुका है। जहां एक ओर वह प्रदेश के करोड़ों विद्युत उपभोक्ताओं की आवाज बनकर निजीकरण जैसी नीतियों के खिलाफ डटकर खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर वह उन मासूम बेजुबान जीवों के लिए भी सहारा बन चुके हैं, जिनकी तकलीफको आम लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

## सम्पादकीय

# बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है। हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दशार्ता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर-सवेर इस जीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है। बिश्नोई गैंग के खिलाफ ताजा कार्रवाई से अब उम्मीद जगी है कि देर-सवेर कनाडा सरकार भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए इन संगठनों पर कार्रवाई करेगी, जो भारत के खिलाफ लगातार विषवमन करते रहे हैं और भारत विरोधी अभियानों का वित्तीय पोषण करते रहे हैं।

# जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या

संघ के स्वयंसेवकों की होगी। यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है। एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से ह्यराष्ट्रीय मुस्लिम मंचह्ल नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ह्यगुरूह्ल जी रचित किताब ह्यब्रंच ऑफ थॉटह्ल का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें ह्यब्रंच ऑफ थॉटह्ल को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, ह्यरही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।ह्य इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है। संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, ह्यहम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिजर्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।ह्य संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित ह्यइनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहाः कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे। सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि 'वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है। संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है। संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा ह्यसामाजिक समरसताह्ल है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

## गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, ह्यगांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।ह्ल वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी ह्यटेररिस्टह्ल लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दशार्ता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा। शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

# ट्रंप ने तय कर लिया फिलिस्तीन का भविष्य

बीते दो साल से फिलीस्तीन में चल रहे नरसंहार के खत्म होने के दिन करीब आते दिख रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बैठक के बाद गजा का शांति प्रस्ताव तैयार हो गया है। ट्रंप ने गजा के भविष्य की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। एक योजना बनाई गई है, जिसके तहत हमास को 72 घंटे के अंदर 20 जीवित इजरायली बंधकों को रिहा करना है और उन करीब 20 बंधकों के शवों को वापस करना है, जिनके बारे में माना जाता है कि उनकी मौत हो चुकी है। योजना के मुताबिक हमास अपने हथियार त्याग देगा, इसके साथ ही उसकी सुरंगें और हथियार बनाने के ठिकाने नष्ट कर दिए जाएंगे। हर इजरायली बंधक के शव की रिहाई पर इजरायल 15 गजावासियों के शव लौटाएगा। योजना में यह भी कहा गया है कि जैसे ही दोनों पक्ष इस प्रस्ताव पर सहमत होंगे, गजा पट्टी में तुरंत पूरी सहायता भेजी जाएगी। ट्रंप ने कहा कि अगर हमास इस योजना को स्वीकार नहीं करता है तो अमेरिका नेतन्याहू के साथ खड़ा होगा। वहीं नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास इस योजना ठुकराता है या इसका पालन नहीं करता है तो इजरायल अपने काम को अंजाम तक लेकर जाएगा। नेतन्याहू की इस धमकी का अर्थ यह है कि हमास को खत्म करने के नाम पर गजा पर कब्जे की जो योजना नेतन्याहू की बनी हुई है, वो हर हाल में पूरी होगी। दो सालों से तबाह गजा में अब और ज्यादा धमाके नहीं होंगे, जो बची-खुची जिंदगियां शेष हैं, वो शायद आगे भी बरकरार रहेंगी, इस बात को राहत की तरह देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप की इस घोषणा का स्वागत किया है, ब्रिटेन, फ्रांस व यूरोपीय यूनियन के देश इस शांति प्रस्ताव से सहमत हैं। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, तुर्किए, पाकिस्तान, इंडोनेशिया आदि मुस्लिम देश भी गजा के लिए बनी योजना पर सहमत हैं और फिलीस्तीन के अधिकारी भी इसे सकारात्मकता के साथ देख रहे हैं। फिलीस्तीन के पास अब और कोई रास्ता तो बचा ही नहीं है। बीते दो सालों में एक बसे-बसाए देश को पूरी तरह तबाह कर अब पश्चिमी ताकतों ने उसे फिर से बसाने की योजना बना दी है। पूंजीवाद की यही कार्यशैली है। पहले किसी चीज में खोट निकालो, उसे खत्म करो और फिर अपनी मर्जी का ऐसा ढांचा वहां खड़ा करो, जिससे अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जा सके। लालच का यह तंत्र इतना निष्ठुर है कि उसे बंजर जमीन, हरे-भरे जंगल, मूक जानवर, हाड़-मांस के इंसान किसी में कोई फर्क नहीं दिखता। उसका बुलडोजर सब पर एक तरह से चलता है। गजा अब पूंजीवाद के बुलडोजर से पूरी तरह समतल होने जा रहा है। इसलिए अब इन सवालों के जवाब शायद ही मिलें कि बंधकों की रिहाई, शवों की वापसी हो जाएगी, आगे और हमले भी नहीं होंगे। लेकिन हमास को खत्म करने के नाम पर जिन मासूमों की जान ली गई है, उन्हें क्या कभी इंसाफ नहीं मिलेगा।अभी पिछले हफ्ते तक संरा महासभा में फिलीस्तीन के समर्थन में आवाजें उठ रही थीं, उसे मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ रही थी, और बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में जिस तरह कई देशों के राजदूत उठकर चले गए, उसमें यह खुशफहमी बनी कि वैश्विक व्यवस्था में अघोषित बदलाव हो रहा है, कि संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्ता पुनरू स्थापित हो रही है। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र संघ की जगह लेते जा रहे हैं या ले चुके हैं। ट्रंप खुद दावा करते रहते हैं कि कितने देशों के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाए हैं, यहां तक कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार का दावेदार बताया जाने लगा है। अब गजा में तथाकथित शांति बहाली के बाद यह दावेदारी और बढ़ जाएगी। फिर यह सवाल नहीं होंगे कि शांति प्रस्ताव के बाद अब जो फिलीस्तीन खड़ा किया जाएगा, उसकी डोर असल में किसके हाथ में रहेगी। यह तो घोषित तथ्य है कि इजरायल को शुरू से अमेरिका का पूरा समर्थन रहा है। बीते कुछ दिनों में ट्रंप ने चाहे नेतन्याहू को हमले रोकने या और ज्यादा हिंसा बर्दाश्त न करने की बात कही है, लेकिन यह केवल दिखावटी बातें थीं। इजरायल अमेरिका की छत्रछाया में ही फला-फूला है और अब फिलीस्तीन को भी अमेरिका की कठपुतली सरकार मिलेगी, यह तय है।गौरतलब है कि अमेरिका ने गजा की भावी शासन व्यवस्था की जो रूपरेखा रखी है, उसमें एक गैर-राजनीतिक फिलीस्तीनी कमेटी गजा पर अस्थायी रूप से शासन करेगी, इसकी देखरेख एक नयी अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिशन बॉडी श्बोर्ड ऑफ पीसश करेगी।

# शब्दों की शक्ति: कलम और वाणी का चमत्कारस

संजीव ठाकुर

कलम से क्रांति जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी। लेखन-कला में असीमित सामर्थ्य और अनुपम क्षमताएँ निहित हैं। यही कारण है कि चिंतन का सूत्र है अधिक सोचो, कम बोलो। शब्द की महिमा अपरंपार हैय अक्षर नश्वर होते हुए भी अपने अर्थ और प्रभाव से अमर हो जाते हैं। लेखनी की धार तलवार से कहीं अधिक तीक्ष्ण मानी गई है। तलवार से घायल व्यक्ति बच सकता है, किंतु लेखनी से निकले शब्द कभी-कभी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन जाते हैं। इसीलिए संतों और चिंतकों ने चेतावनी दी है कि ह्लबोलने और लिखने से पूर्व बार-बार सोचो।ह्व क्योंकि बोलने के बाद सोचना मनुष्य को मूर्खों की श्रेणी में खड़ा कर देता है। राजनीति और कूटनीति का समूचा आधार शब्दों और भाषणों पर टिका हुआ है। एक शब्द से जहाँ राष्ट्रों के बीच सेतु बन सकते हैं, वहीं दूसरा शब्द विभाजन और विद्वेष की आग भी भड़का सकता है। इतिहास गवाह हैद्द प्यार और शांति के शब्दों से रक्तरंजित विवाद समाप्त हुए हैं, वहीं कटु वाणी से युद्धों का आरंभ हुआ है।शब्दों का प्रभाव इतना गहन है कि वे किसी व्यक्ति को अमर कर सकते हैं। तुलसीदास की वाणी में सत्य और अमृत की गूंज है, कबीर अपने फक्कड़पन और

दोहों से जन-मन में रमे हुए हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जैसे लेखक जटिल शब्दावली के बावजूद हृदय तक उतर जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यास और कहानियों द्वारा हिंदी को जन-जन की भाषा बना अमरत्व प्राप्त किया। देवकीनंदन खत्री ने चंद्रकांता संतति और भूतनाथ जैसे उपन्यास लिखकर हिंदी उपन्यास-साहित्य की लोकप्रियता की नींव रखी। अंग्रेजी में अर्नेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना गया, जिनकी भाषा पाठक के हृदय में सीधा प्रवेश कर जाती थी। इतिहास के पृष्ठ साक्षी हैं कि द्रौपदी के एक वचन ने महाभारत जैसा महायुद्ध खड़ा कर दिया। यही कारण है कि संत-मनीषियों ने कहा ह्लसंभलकर बोले गए शब्द ही सद्गति देते हैं।ह्व अच्छा वक्ता वही है, जो अपने विचार संयमित और संतुलित भाषा में व्यक्त करे। वह भले ही हृदय को न छुए, किंतु जनमानस को जीतने में सफल होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शब्दों का महत्व अद्भुत है। युद्ध और शांति दोनों ही नेताओं के भाषणों और वक्तव्यों पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान की राजनीति भड़काऊ वक्तव्यों से अपनी साख खो बैठी, जबकि भारत अपनी मधुर वाणी और शांति-दूत की छवि से विश्वभर में सम्मानित हुआ। आज भी रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की पहल के लिए संपूर्ण विश्व भारत की ओर देखता है।युवा पीढ़ी को यही संदेश देना आवश्यक है कि शब्दों का संयमित और सदाचारी प्रयोग करें। मीठी और संतुलित भाषा से समाज और राष्ट्र का वातावरण विकासोन्मुख होता है। यही भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपरा का संदेश है कि शब्दों को सोच-समझकर, तौलकर और प्रेमपूर्वक प्रयोग किया जाए।

## महिला विश्व कप का पहला मैच देखने आए रिकॉर्ड दर्शक, इस रिपोर्ट में खुलासा

गुवाहाटी (एजेंसी)। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में 22843 दर्शक आए जो आईसीसी महिला टूनार्मेंट के ग्रुप चरण के मैच के लिए एक रिकॉर्ड है।' भारत और श्रीलंका के बीच महिला वनडे विश्व कप का पहला मैच देखने करीब 23000 दर्शक स्टेडियम आए जो आईसीसी के किसी महिला टूनार्मेंट में ग्रुप चरण के मैच के लिए एक रिकॉर्ड है। मंगलवार को इस मैच को देखने 22843 दर्शक स्टेडियम पहुंचे। इससे पहले रिकॉर्ड भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में पिछले साल महिला टी20 विश्व कप के मैच का था जिसमें 15935 दर्शक आए थे। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में 22843 दर्शक आए जो आईसीसी महिला टूनार्मेंट के ग्रुप चरण के मैच के लिए एक रिकॉर्ड है।' भारत ने 59 रन से जीतकर टूनार्मेंट की शानदार शुरूआत की।

## मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा ने नाश्ते में खाया 'थेपला', आमिर-रानी के गाने के साथ किया एंजॉय

प्रियंका चोपड़ा जोनस इन दिनों मुंबई में हैं। वह लगातार सोशल मीडिया हैंडल पर अपने रोजाना के अपडेट्स शेयर करती रहती हैं। जिन्हें उनके फैंस बड़े चाव से देखते और पसंद करते रहे हैं। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों निर्देशक राजामौली की फिल्म 'ररटइ29' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। वहीं आज प्रियंका ने अपने नाश्ते की एक झलक सोशल मीडिया हैंडल

पर शेयर की है। प्रियंका का पोस्ट प्रियंका चोपड़ा ने आज इंस्टाग्राम पर अपने नाश्ते की तस्वीर साझा की, जिसमें वह थेपला, नारियल की चटनी और आम के अचार का स्वाद ले रही थीं। सफेद बाथरोब में नाश्ते का आनंद लेते हुए, वह 90 के दशक की फिल्म 'गुलाम' का गाना 'आंखों से तूने ये क्या कर दिया' सुन रही थीं, जिसमें आमिर खान और रानी मुखर्जी ने अभिनय किया है। प्रियंका की शानदार तस्वीर इस पोस्ट के बाद प्रियंका ने अपनी एक हॉट तस्वीर भी शेयर कीं, जिसमें ऑफ शोल्डर ड्रेस के साथ ब्लैक गॉगल्स में पोज देती नजर आईं। इस ड्रेस के साथ प्रियंका ने नॉट स्टाइल का सिल्वर नेकपीस भी पहना हुआ है। प्रियंका का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। मुंबई में प्रियंका प्रियंका 29 सितंबर को काम के लिए मुंबई आईं और एक शानदार होटल में रुकी हैं। उन्होंने होटल से बांद्रा वर्ली सी लिंक का सुंदर नजारा शेयर किया और लिखा, 'कभी बूढ़ा नहीं होता।' एक तस्वीर में वह रंग-बिरंगे मोजे पहने समुद्र का नजारा लेती दिखीं। उन्होंने पोहा खाते हुए भी तस्वीर साझा की। अपने बीजी कार्यक्रम के बीच, प्रियंका मां दुर्गा का आशीर्वाद लेने उत्तरी मुंबई के एक दुर्गा पूजा पंडाल गईं। जहां उनकी मुलाकात निर्देशक आर्यन मुखर्जी और अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी से भी हुई। प्रियंका का करियर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा 'द ब्लफ' में नजर आएंगी।

## दिलजीत दोसांझ ने राजवीर जवंदा को लेकर कह दी ये बड़ी बात, हांगकांग कॉन्सर्ट में लोगों से की खास अपील

हांगकांग में अपने कॉन्सर्ट के दौरान पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने म्यूजिक रोककर साथी गायक-अभिनेता राजवीर जवंदा के लिए दुआ की, जो गंभीर बाइक हादसे के बाद जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। दिलजीत ने हजारों दर्शकों से अपील की कि वे राजवीर के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करें। उन्होंने राजवीर को बहुत प्यारा भाई और बेहद खूबसूरत गायक भी बताया।दिलजीत ने भावुक होकर कहा, कृपया उनके लिए प्रार्थना करें। सच्ची दुआ का बहुत असर होता है। वह जल्दी ठीक हों और हमारे बीच लौटें। वह बहुत खूबसूरत गायक हैं, राजवीर वीरा। उन्होंने राजवीर के सरल और विवादों से दूर रहने वाले स्वभाव की भी प्रशंसा की। दिलजीत ने कहा, जब आप किसी के लिए दिल से प्रार्थना करते हैं, तो वह जरूर पूरी होती है। कॉन्सर्ट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शनिवार को हुए बाइक हादसे में राजवीर को गंभीर सिर और रीढ़ की चोटें आईं। उन्हें पहले सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उन्हें हार्ट अटैक भी आया। इसके बाद उन्हें फोर्टिस अस्पताल, मोहाली शिफ्ट किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी अस्पताल पहुंचे और पुष्टि की कि राजवीर अभी भी बेहोश हैं, लेकिन उनकी स्थिति कल से बेहतर है। राजवीर जवंदा अपने हिट गानों जैसे काली जवांदे दी, मेरा दिल और सरदारी के लिए जाने जाते हैं और पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय कर चुके हैं। बाइकिंग के शौकीन राजवीर अक्सर अक्सर अपने हिल्स राइड के वीडियो शेयर करते थे।

## जब सो रहे थे अभिषेक, तो फरहाना ने की ऐसी करतूत; घर में मचा बवाल

### कैप्टन ने कहा- जो करना है कर लो

हाल ही में बिग बॉस 19 का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें फरहाना भट्ट ने अभिषेक बजाज के साथ ऐसी हरकत की, जिससे घर में बवाल मच गया। जानिए क्या हुआ। बिग बॉस 19 में आए दिन तमाशा हो रहा है। कभी कोई किसी से हाथापाई कर रहा है, तो किसी को भला-बुरा कह

रहा है। अब शो का नया प्रोमो सभी दर्शकों का ध्यान खींच रहा है, क्योंकि इसमें फरहाना और अभिषेक के बीच जोरदार बहस होती दिख रही है। आइए जानते हैं आखिर क्या हुआ। फरहाना ने सोते हुए अभिषेक पर फेंका पानी बिग बॉस 19 शो का नया प्रोमो रिलीज हुआ है। इसमें दिखता है कि अभिषेक बजाज सोते हुए दिख रहे हैं, तभी फरहाना भट्ट आती हैं और बोतल से पानी लेकर उनपर फेंक देती हैं। इसके बाद अभिषेक ने गुस्से में कहा, पानी डालने की जरूरत नहीं है। इसपर फरहाना ने कहा, मेरी मर्जी मैं क्या करूंगी। अशनूर ने किया फरहाना का विरोध आगे प्रोमों में फरहाना की मेरी मर्जी वाले बयान का अशनूर कौर ने विरोध किया। उन्होंने कहा, मेरी मर्जी कुछ नहीं होता है फरहाना। इसके आगे फरहाना ने अशनूर से कहा, तो तुम वॉचमैन बनो उन्हें जगाने के लिए। फिर अशनूर ने फरहाना को पर्सनल चीजों को बीच में लाने के लिए मना किया, लेकिन फरहाना ने कहा कि पांच लोगों को जो करना है कर लें, वो किसी से नहीं डरतीं। क्या है इस बार 'बिग बॉस 19' का कॉन्सेप्ट? बिग बॉस 1 का कॉन्सेप्ट इस बार काफी हटकर है। यह पॉलिटिक्स से इंस्पायर है। जिसमें शो में भाग लेने वाले प्रतियोगी मिलकर अपनी सरकार बनाएंगे। शो में टीवी एक्टर गौरव खन्ना, टीवी एक्ट्रेस अशनूर कौर, फिल्म एक्टर जीशान कादरी, सिंगर अमान मलिक, फरहाना भट्ट, नीलम गिरी, तान्या मित्तल के अलावा कई प्रतियोगी शामिल हैं।

## आर्यन खान की द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए राघव, रजत और फराह ने की मजेदार बातचीत

सीरीज द बैड्ह्स ऑफ बॉलीवुड ने दुनिया भर के दिलों पर राज कर वाकई में एक अनोखी सफलता हासिल कर ली है। आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी यह 7-एपिसोड की सीरीज एक मजबूत असर छोड़ चुकी है और फिलहाल में नेटफ्लिक्स पर भारत में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जो इस बात का सबूत है कि इसे कितना प्यार मिला है। हालांकि, ऐसा लगता है कि शो का क्रेज अभी कम नहीं होने वाला, क्योंकि इसका खुमार राघव जुयाल, रजत बेदी, और फराह खान पर भी देखने मिल रहा है। द बैड्ह्स ऑफ बॉलीवुड के मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राघव जुयाल, रजत बेदी, और फराह खान के बीच मजेदार बातचीत को कैद किया गया है। वीडियो में, जहाँ राघव और फराह बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं रजत बीच में कूद पड़ते हैं, जिससे शो की याद दिलाने वाला एक मजेदार माहौल बन जाता है। ऐसे में वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में आगे लिखा है। उन्होंने कमेंट्स में भी अपना प्यार जाहिर किया।आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आसमान सिंह (लक्ष्य लालवानी) की कहानी बताती है। यह एक मेहनती आउटसाइडर है, जो बॉलीवुड की फेम, ग्लैमर और पावर गेम्स की दुनिया में खुद को बचाने की कोशिश करता है। ऐसे में यह शो तीखे सैटायर और जोरदार ड्रामा को मिलाते हुए, यह बेझिझक इंडस्ट्री की छिपी हुई हकीकतों को सामने लाता है।और इसे और भी रोमांचक बनाते हैं बॉलीवुड के दिग्गजों जैसे शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान, करण जौहर और कई अन्य के अचानक आने वाले कैमियो, जो कहानी में स्टार पावर जोड़ते हैं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को आर्यन खान ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि गौरी खान इसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस कर रही हैं। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जूयाल, अन्या सिंह, मनोज पहवा, मनीष चौधरी, सहेर बम्बा, गौतमी कपूर, राजत बेदी और अन्य जैसे स्टार कलाकार शामिल हैं। यह सबसे ज्यादा इंतेजार कियाबजा रहा शो नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर 2025 को प्रीमियर हो चुका है।

## नेटफ्लिक्स लेकर आया कुरुक्षेत्र का ट्रेलर, महाभारत की धरती पर धर्म और भाग्य की गूंज

नेटफ्लिक्स ने अपनी नई एनिमेटेड सीरीज कुरुक्षेत्र का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह भव्य सीरीज महाभारत की अनकही कहानियों को 18 योद्धाओं के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जहां हर किरदार धर्म, नैतिकता और भाग्य से जूझता दिखाई देगा। इस महागाथा का मूल संदेश भगवान कृष्ण के शब्दों में गूंजता

है- इस युद्ध में न कोई मित्र है, न कोई शत्रु। सीरीज का पहला सीजन 10 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इसमें अर्जुन के द्वंद्व, द्रौपदी की प्रतिज्ञा, दुर्योधन की महत्वाकांक्षा और भीष्म पितामह की नीतियों जैसे प्रसंगों को भावनात्मक अंदाज में पेश किया जाएगा। यह सिर्फ एक युद्ध की कथा नहीं, बल्कि रिश्तों के बिखराव और नैतिक संकटों की कहानी है। इस सीरीज को अनु सिक्का ने कॉन्सेप्ट और क्रिएट किया है। इसका निर्माण टिपिंग प्वाइंट के तहत आलोक जैन, अनु सिक्का और अजीत अंधारे ने किया है। निर्देशन और लेखन की जिम्मेदारी उजान गांगुली ने निभाई है, जबकि हाइटेक एनीमेशन ने इसे जीवंत किया है। इस महाकाव्य की गहराई में गुलजार के लिखे गीत और संवाद नई जान डालते हैं। सीरीज के ट्रेलर में ही इसके शानदार एनीमेशन, दमदार म्यूजिक और गहन भावनाओं की झलक साफ मिलती है। कुरुक्षेत्र दर्शकों को महाभारत की दुनिया को एक नए, आधुनिक और प्रभावशाली अंदाज में अनुभव कराने का वादा करता है।

## अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर जल्द कर रही हैं सगाई, रोहन ठक्कर संग शादी की तैयारी

बॉलीवुड के कपूर खानदान में शादी की खुशी छाने वाली है। अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और निमार्ता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई करने जा रही हैं। इस खुशखबरी ने फैन्स और परिवार दोनों में उत्साह बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक अंशुला की इंगेजमेंट सेरेमनी 2 अक्टूबर को होगी, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी रहेगी। समारोह को सिंपल और पारिवारिक रखा गया है। इस खास मौके की शुरूआत एक पूजा से होगी, जिसमें अंशुला के पिता बोनी कपूर, भाई अर्जुन कपूर और बहनें जाह्नवी तथा खुशी कपूर भी शामिल होंगी। हालांकि इंगेजमेंट का ये समारोह सीमित मेहमानों के साथ मनाया जाएगा, लेकिन कपूर फैमिली की ग्रैंड वेडिंग की चचाएं पहले से ही शुरू हो गई हैं। अंशुला और रोहन की प्रेम कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है जितनी उनकी शादी की खबर। जुलाई में अंशुला ने बताया था कि रोहन ने उन्हें न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में प्रपोज किया था। ये प्रपोजल बेहद खास था क्योंकि रोहन ने इंडियन टाइम के मुताबिक रात 1रू15 बजे घुटनों के बल बैठकर प्रपोज किया था, जो उस वक्त के साथ मेल खाता था जब दोनों की पहली बातचीत किसी डेटिंग ऐप पर हुई थी। अंशुला ने इंस्टाग्राम पर इस पल को ष्एक परी कथा से भी बेहतरष बताया, जिसमें हंसी, आंसू और भावनाओं का समंदर था। उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी लव स्टोरी भी साझा की, जिसमें बताया कि कैसे दोनों की बातचीत एक दिन की शुरूआत में मंगलवार रात 1रू15 बजे हुई थी और तब से उनका रिश्ता गहरा होता गया। अंशुला ने बताया कि वे और रोहन एक डेटिंग ऐप पर मिले थे और उनकी बातचीत एक खास मंगलवार की रात 1.15 बजे शुरू हुई। बातचीत इतनी खास थी कि वे सुबह 6 बजे तक जुड़े रहे और उनके बीच का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता गया। हालांकि अंशुला और रोहन ने अभी तक शादी की आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि ये कपल दिसंबर 2025 में शादी के बंधन में बंध सकता है। कपूर परिवार और फैंस इस ग्रैंड वेडिंग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की ये सगाई बॉलीवुड में नए रिश्तों और खुशियों की शुरूआत की तरह देखी जा रही है। आने वाले समय में इस जोड़े से जुड़ी और भी खबरें सामने आएंगी, जिन पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

## 'गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं', सीरीज से पहले बोले गिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है। यहां पिच पर घास जमी हुई है। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में टर्निंग पिचों को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है। यहां पिच पर घास जमी हुई है। गिल ने कहा, 'मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी , मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता । लेकिन हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो।' उन्होंने कहा, 'भारत आने वाली किसी भी टीम के लिये चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है ।इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे ।' उन्होंने कहा, 'आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जाएगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे।

# तीन की मौत के बाद पीओके में बढ़ा लोगों का गुस्सा

## पाकिस्तान के सभी एंट्री पॉइंट बंद करने की धमकी दी

जिनेवा (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में इन दिनों उबाल है और विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन प्रदर्शनकारियों की मौत से लोगों का गुस्सा और भड़क गया है। पीओके का विरोध प्रदर्शन इस कदर व्यापक हो गया है कि विदेशों में बसे पीओके के लोग भी प्रदर्शन में शामिल हो गए हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष शौकत अली कश्मीरी ने स्विट्जरलैंड में न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा कि यह विरोध प्रदर्शन लोगों की बुनियादी जरूरतों को लेकर है। उन्होंने कहा कि पीओके के लोग बीते दो वर्षों से अपने बुनियादी अधिकारों

के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शौकत अली कश्मीरी ने कहा कि 'जॉइंट एक्शन कमेटी के बैनर तले लोग बीते दो वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। यह आंदोलन बुनियादी जरूरतों को लेकर है। बीते 77 वर्षों से पीओके के लोगों को बुनियादी अधिकारों और जरूरतों से दूर रखा गया। पहले राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने मंच से विरोध प्रदर्शन कर रहीं थीं। फिर सभी राजनीतिक पार्टियों और आम लोगों ने मिलकर एक जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी का गठन किया। बीते दो वर्षों से ये कमेटी ही आंदोलन का नेतृत्व कर रही है।' यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी के अध्यक्ष ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की सरकार को कठपुतली सरकार बताया और आरोप लगाया कि ये कठपुतली सरकार लोगों की वैध और सही मांगों को भी पूरा करने में नाकाम रही। लोग बिजली की किल्लत, बेरोजगारी और संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन कठपुतली सरकार उनकी जायज मांगों को भी पूरा नहीं कर पा रही है। पीओके के नेताओं ने दी बंद की धमकी यूकेपीएनपी के नेताओं ने धमकी दी कि आने वाले समय में आंदोलन और तेज होगा क्योंकि लोग अब सोशल मीडिया के जरिए जुड़े हुए हैं। यूकेपीएनपी के नेता शौकत अली कश्मीरी ने धमकी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बंद रहेगा और पाकिस्तान जाने वाले सभी एंट्री पॉइंट बंद कर दिए जाएंगे। यूकेपीएनपी के विदेश मामलों के प्रमुख जमील मकसूद ने सेना पर मासूम लोगों पर गोलियां चलाने का आरोप लगाया और कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों को निशाना बनाया गया। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान मंगलवार को हालात बिगड़ गए और सुरक्षाकर्मियों ने लोगों की भीड़ पर गोलियां चला दीं, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 22 से ज्यादा अन्य घायल हुए हैं।

## 'बिजली गुल और फिर संकरा स्थल पर भगदड़, कुछ तो....', करूर हाजसे पर हेमा मालिनी के तीखे सवाल

करूर/चेन्नई (एजेंसी)। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने करूर में विजय की रैली के दौरान भगदड़ पर संदेह जताते हुए कहा कि संकरा आयोजन स्थल और अचानक बिजली गुल होना स्वाभाविक नहीं लगता। 8 सदस्यीय राजग जांच दल का नेतृत्व कर रहीं हेमा ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने दावा किया कि करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली के दौरान आयोजन स्थल के संकरा होने और कार्यक्रम के दौरान बिजली कटने में कुछ तो गड़बड़ है। यह बातें स्वाभाविक नहीं हो सकती हैं। हेमा मालिनी 27

सितंबर को करूर के वेलुसामीपुरम में हुई भगदड़ से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के लिए आए राजग के 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। इस भगदड़ में 41 लोगों की जांच चली गई और 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। हेमा मालिनी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन की ओर से कार्यक्रम के लिए संकरा आयोजन स्थल मुहैया कराना उपयुक्त नहीं था। विजय की रैली के दौरान बिजली भी गुल हो गई थी, जो स्वाभाविक नहीं लगता है। रैली स्थल के चयन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि राजनीतिक रैलियों का उचित ढंग से आयोजन किया जाना चाहिए और पूरी सुरक्षा के साथ उनका संचालन किया जाना चाहिए। कांग्रेस ने पीड़ित परिवारों को दी मदद भगदड़ से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल भी करूर पहुंचा।

# मणिपुर में 2023 में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की

## मुंबई में सबसे ज्यादा आर्थिक धोखाधड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक अपराध के मामले में मुंबई के बाद हैदराबाद का स्थान है जहां आर्थिक अपराधों के 5,728 मामले दर्ज किए गए, जबकि जयपुर में 5,304 मामले दर्ज हुए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में मणिपुर में दंगाई भीड़ ने 11 पुलिसकर्मियों की हत्या की। मणिपुर मई 2023 से जातीय हिंसा की चपेट में है। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मणिपुर में चरमपंथियों द्वारा कुल 24 नागरिकों की हत्या की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, '2023 में ड्यूटी पर 15 पुलिसकर्मियों की हत्या हुई, जिनमें से

11 दंगाई भीड़ द्वारा मारे गए।' मणिपुर में हिंसक अपराध के 14 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए मणिपुर में चरमपंथियों/ विद्रोहियों द्वारा गोलीबारी में 24 नागरिक मारे गए, जो 2023 में देश में सबसे ज्यादा है। राज्य में 14,427 हिंसक अपराध दर्ज हुए, जो पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे ज्यादा हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में पुलिस लाठीचार्ज में छह लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, मणिपुर की अदालतों द्वारा 2023 में 247 मामले सुनवाई के लिए भेजे गए, जबकि पिछले वर्षों के 5,594 मामले लंबित हैं। मई 2023 से मणिपुर में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा में 260 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। आर्थिक धोखाधड़ी के मामले सबसे ज्यादा मुंबई में एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में साल 2023 में आर्थिक अपराध के 6,476 मामले दर्ज हुए , जो देश के महानगरों की सूची में सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, 2022 में मुंबई में दर्ज आर्थिक अपराधों की संख्या की तुलना में, 2023 में ऐसे मामलों में गिरावट देखी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2021 और 2022 में क्रमशः 5,671 और 6,960 ऐसे मामले दर्ज किए गए, लेकिन 2023 में यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 484 मामलों कम रहा। आर्थिक अपरा के मामले में मुंबई के बाद हैदराबाद का स्थान है जहां आर्थिक अपराधों के 5,728 मामले दर्ज किए गए, जबकि जयपुर में 5,304 मामले दर्ज हुए। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की संख्या के मामले में महाराष्ट्र का ग्राफ पिछले कुछ वर्षों में ऊपर की ओर बढ़ा है। 2023 में ऐसे अपराध 19,803 दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 18,729 और 2021 में 15,550 मामले दर्ज किए गए। राजस्थान 27,675 वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों के साथ पहले स्थान पर था, जबकि तेलंगाना 26,321 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर था। महाराष्ट्र इन दोनों राज्यों के बाद तीसरे स्थान पर रहा। साइबर अपराध के महाराष्ट्र में आठ हजार मामले दर्ज हुए साइबर अपराध के मामले में, महाराष्ट्र में 8,103 मामले दर्ज किए गए और वह चौथे स्थान पर रहा।

## पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने किया था अपने ऊपर हमले का दावा, पुलिस ने बताया 'झूठ', बंद की जांच

नागपुर (एजेंसी)। पुलिस ने अनिल देशमुख पर हुई कथित पत्थरबाजी के मामले को फर्जी बताते हुए जांच बंद कर दी है और कोर्ट में 'बी सारांश' रिपोर्ट दाखिल की है। अब पुलिस ने शिकायतकर्ता पर झूठा मामला दर्ज कराने के लिए मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। पुलिस ने पिछले साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता अनिल

देशमुख पर कथित तौर पर पत्थर से हमला करने के मामले की जांच बंद कर दी है। पुलिस ने कोर्ट में 'बी सारांश' रिपोर्ट दाखिल कर इसे झूठा मामला बताया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता पर मुकदमा दर्ज करने की मांगी अनुमति नागपुर ग्रामीण पुलिस ने इस रिपोर्ट को कातोल की कोर्ट में पिछले हफ्ते जमा किया, क्योंकि फोरेंसिक जांच और पूछताछ में शिकायत में किए गए दावे सही साबित नहीं हुए। पुलिस ने अदालत से शिकायतकर्ता के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। देशमुख के निजी सहायक ने दर्ज कराया था मामला अनिल देशमुख के निजी सहायक उज्ज्वल भोयर ने यह शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पत्थरों से हमला होने का आरोप लगाया था। यह घटना 18 नवंबर 2024 की बताई गई, जब देशमुख नागपुर जिले के नारखेड गांव से चुनाव प्रचार बैठक के बाद कातोल लौट रहे थे। शिकायत में क्या कहा गया था शिकायत में कहा गया था कि चार अज्ञात लोगों ने उनके कार पर पत्थर फेंके। एक पत्थर उनके सिर पर लगा जिससे उन्हें चोट लगी और कार के अंदर कांच के टुकड़े मिले। उस समय अनिल देशमुख अपने बेटे सलिल देशमुख के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो कातोल विधानसभा सीट से एनसीपी (एसपी) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। हालांकि, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) ने इस पत्थर से हमले के दावे को खारिज कर दिया।


## उत्तर रेलवे

### ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

| | |
|---|---|
| एडमिन यूनिट/जोन | लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे. |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | ADVT-LKO-LKO-OH-584-25-1(Advertising-Out Of Home) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 25.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 15.10.2025 समय 10:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 15.10.2025 समय 10:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | ADVT-LKO-PYGS-OSD-504-24-1 (Advertising-On Station Premise (Digital) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 19.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 06.10.2025 समय 12:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 06.10.2025 समय 12:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | ADVT-LKO-PYGS-OSN-492-24-3 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 19.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 07.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 07.10.2025 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | ADVT-LKO-PFM-OSN-531-24-1(Advertising-On Station Premise (Non-Digital) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 25.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 14.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 14.10.2025 समय 11:40 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-LKO-MobStore-116-25-1 (Misc Static Services Mobiles and Accessories Kiosk) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 24.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 10.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 10.10.2025 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-LKO-MobStore-118-25-1 (Misc Static Services Mobiles and Accessories Kiosk) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 24.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 10.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 10.10.2025 समय 11:40 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-LKO-MobStore-120-25-1 (Misc Static Services Mobiles and Accessories Kiosk) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 24.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 10.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 10.10.2025 समय 11:50 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-LKO-MobStore-117-25-1 (Misc Static Services Mobiles and Accessories Kiosk) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 24.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 10.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 10.10.2025 समय 12:10 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | ADVT-LKO-LKO-OH-548-25-2 (Advertising-Out Of Home) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 25.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 13.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 13.10.2025 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-BSB-RCR-114-25-2 (Misc Static Services Rail Coach Restaurant) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 25.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 13.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 13.10.2025 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-LKO-RCR-111-25-1 (Misc Static Services Rail Coach Restaurant) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 23.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 09.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 09.10.2025 समय 11:40 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-AY-RCR-112-25-1 (Misc Static Services Rail Coach Restaurant) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 22.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 08.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 09.10.2025 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LK0-AYC-RCR-113-25-1 (Misc Static Services Rail Coach Restaurant) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 22.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 08.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 09.10.2025 समय 11:40 बजे |
| नीलामी सूची सं./लॉट सं. | MSS-LKO-PRG-RCR-115--25-1 (Misc Static Services Rail Coach Restaurant) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 22.09.2025 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 08.10.2025 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 09.10.2025 समय 12:00 बजे |
| नीलामी का प्रकार | Close Ended |
| वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है: E-Auction Module of www.ireps.gov.in | |

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3032/25


# चक्रवाती तूफान के पांच दिन बाद आया भीषण भूकंप, 69 की मौत; मलबे में दबने से गई अधिकतर जानें

मनीला (एजेंसी)। भूकंप का केंद्र 90 हजार की आबादी वाले सेबू प्रांत के तटीय शहर बोगो से करीब 19 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में जमीन के पांच किलोमीटर नीचे था। यहां कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। फिलीपींस के केंद्रीय प्रांत में मंगलवार देर रात आए 6.9 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि घरों और इमारतों की दीवारें ढह गईं, जिसकी चपेट में आकर कम से कम 69 लोगों की मौत हुई है कई अन्य घायल हो गए। फिलीपींस के एक बड़े हिस्से में भूकंप के बाद बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई और लोग अंधेरे में घरों से बाहर निकल आए।

भूकंप का केंद्र 90 हजार की आबादी वाले सेबू प्रांत के तटीय शहर बोगो से करीब 19 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में जमीन के पांच किलोमीटर नीचे था। यहां कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया है कि बोगो में राहत-बचाव कर्मी लगातार मलबे में तब्दील हुए घरों से लोगों को निकालने की कोशिशों में जुटे हैं। यहां गांव के गांव भूस्खलन के चलते मिट्टी के ढेर में दब गए। अधिकारियों के मुताबिक, मेडेलिन में घरों की छत और दीवार गिरने से अलग-अलग परिवारों के 12 लोग मारे गए। इनमें से कई लोग देर रात को गहरी नींद में थे। वहीं, सैन रेमिजियो कस्बे में एक बास्केटबॉल मैच के दौरान भूकंप से बचने की कोशिश कर रहे पांच लोगों की जान गई। इनमें तीन कोस्ट गार्ड, एक दमकलकर्मी और एक बच्चा शामिल है। भूकंप से दमकल केंद्र, सड़कों, गिरजाघर और कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय अधिकारियों ने खाद्य सामग्री और पीने के पानी की तत्काल जरूरत बताई है। फिलीपींस के वॉल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी संस्थान ने शुरूआती चेतावनी में सुनामी की आशंका जताई थी। इसमें लोगों को सेबू और आसपास के लेयते और बिलिरन प्रांत में तटीय क्षेत्रों से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। इन स्थानों पर एक मीटर (तीन फीट) ऊंची लहरें उठने की संभावना जताई गई थी। हालांकि, बाद में अलर्ट हटा लिया गया। गौरतलब है कि यह भूकंप ऐसे समय आया है जब फिलीपींस के कई इलाकों में दो दिन पहले ही भीषण तूफान ने जबरदस्त तबाही मचाई थी। इसमें कम से कम 27 लोगों की जान चली गई थी। इनमें से अधिकतर की मौतें पानी में डूबने और पेड़ों के गिरने से हुई थी। हजारों लोगों को खतरे वाली जगहों से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर रखा गया था। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में गिना जाता है फिलीपींस फिलीपींस दुनिया के उन क्षेत्रों में आता है जहां आपदा आने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। खासकर भूकंप का। दरअसल, फिलीपींस प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां अधिकतर भूकंप और ज्वालामुखी में विस्फोट होते हैं और यह क्षेत्र के लिए आम लोगों के लिए बड़ा खतरा बन जाता है।

## 'बाहरी बिजली आपूर्ति रुकने से यूक्रेनी परमाणु संयंत्र पर बढ़ा खतरा'

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख ने रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के दक्षिण में स्थित जापोरिझिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में सुरक्षा जोखिम बढ़ने की चेतावनी दी है। यह संयंत्र में एक हफ्ते से अधिक समय से बाहरी बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है, क्योंकि उसके आसपास युद्ध जारी है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफाएल मारियानो ग्रोसी ने बताया कि कूलिंग प्रणाली के लिए आपातकालीन डीजल जनरेटर बिजली प्रदान कर रहे हैं, जो संयंत्र के छह बंद रिएक्टरों और उपयोग किए गए ईंधन के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के लिए फिलहाल कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। लेकिन यह परमाणु सुरक्षा के लिहाज से स्पष्ट रूप से एक टिकाऊ स्थिति नहीं है।

# मानवाधिकार हनन को लेकर यूएनएच आरआी मेड बनकाब हुआ पाकिअतान

## बलूचिअतान आडकट पर भी ताइए गइए चिडता

वॉशिडगटन (एजेंसी)। निवाव अडतरराटीय भू-रानीतिक शोधक ताएेश बोव्आ ने आड्यु राट मानवाधिकार परिद (यूएनएच आरआी) के 60वेड आआ की 34वीड बैठक मेड पाकिअतान मेड हो रहे मानवाधिकार उल्लडघनोड और बलूचिअतान आडकट को उगर कियाव 'ेश बोव्आ ने आड्यु राट महाआभा मेड हुइए इआ बैठक मेड पाकिअतान की 'ीएआपी प्लआ अिथति पर यूरोपीय आडघ (इएयू) की टिप्पणियोड का हवाला और बलूचिअतान मेड हो रहे मानवाधिकार हनन पर चिडता ताइएव उन्होडने कहा कि पाकिअतान मेड मानवाधिकारोड के लिए वाबदेही और बलूचिअतान मेड लगातार री आडकट को लेकर गडभीर कारएवाइए की रत हैव बोव्आ ने अपने आडबोधन मेड बताया कि पाकिअतान वल्डए प्रेआ फ्रीडम आूची मेड 158वेड अथान पर हैव धामिएक अवतडआता

पर यूएआओआइएआरएफ की 2025 की रिपोटए के अनुआार, पाकिअतान मेड इएशनिडदा के आरोप मेड 700 ओ अधिक लोगेल मेड हैडो पिछले वाए की तुलना मेड 300 फीआदी की वएि उन्होडने बलूच लोगोड पर हो रहे अत्याचारोड की ानकारी देते हुए बताया, बलूच राटीय आडदोलन की मानवाधिकार इकाइए 'पाडक' ने केवल 2025 की पहली छमाही मेड 785 लोगोड के बरन गायब किए ने और 121 हत्याओड को दए किया हैव वहीड, पश्तून नेशनल रिगा का कहना है कि आाल 2025 मेड अब भी 4000 ओ अधिक पश्तून लापता हैडव अपने आमापन भाण मेड बोव्आ ने यूएनएचआरआी ओ पाकिअतान मेड मानवाधिकार की अिथति की निगरानी को मबूत करने का आग्रह कियाव उन्होडने कहा, आड्यु राट मानवाधिकार परिद ओ अनुरोध है कि वह यूरोपीय आडघ के आाथ आहयोगी तडआोड की खो करे, ताकि पाकिअतान मेड मानवाधिकारोड की निगरानी को मबूत किया।



मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।